



# महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान

(मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार)  
वेदविद्या मार्ग, चिन्तामण गणेश, पो.ऑ, जवासिया, उज्जैन- 456006(म.प्र.)  
**Maharshi Sandipani Rashtriya Vedavidya Pratishthan**  
(Ministry of HRD, Govt. of India)  
Vedavidya Marg, Chintaman Ganesh, P.O. Jawasiya, UJJAIN – 456006 (M.P.)

पत्र सं.-१८-४/२०१६(शै.)/मसारावेविप्र/

दिनांक २६-०५-२०१७

प्रति,

श्रीमान अध्यक्ष/सचिव महोदय,

प्रतिष्ठान से सम्बद्ध (Affiliated) समस्त वेद विद्यालय एवं वेद पाठशालाएँ

विषय:- स्वच्छ भारत अभियान में वेद पाठशालाओं/विद्यालयों में अध्ययनरत वैदिक छात्रों एवं अध्यापकों का योगदान।

महोदय,


कृपया सूचित होवें कि माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदीजी द्वारा सम्पूर्ण भारत में स्वच्छ भारत अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान को पूर्ण रूप से सफल बनाने हेतु भारत सरकार द्वारा विभिन्न मंत्रालयों/विभागों के अधीन संबद्ध संस्थाओं में अध्ययन एवं अध्यापनरत प्रत्येक वैदिक छात्र एवं अध्यापकों की सहभागिता चाही गई है।

इस परिप्रेक्ष्य में प्रतिष्ठान से सम्बद्ध (Affiliated) समस्त वेद विद्यालय एवं वेद पाठशालाओं को सूचित किया जाता है कि मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली से प्राप्त निर्देशों के अनुसार दिनांक ०१ से १५ सितम्बर २०१७ के मध्य में द्वारा आयोजित समारोह में वैदिक छात्रों एवं अध्यापकों द्वारा सामूहिक शपथ ली जानी है। स्वच्छता शपथ की एक प्रतिलिपि जानकारी, मार्गदर्शन एवं पालनार्थ संलग्न है। छात्रों को अपनी कक्षा एवं रहने के स्थान पर हमेशा स्वच्छता बनाये रखने के लिये प्रोत्साहित किये जाना है। इसके साथ ही मध्याह्न भोजन (Lunch Breaks) अवधि में स्वच्छता गीत गाये जाने चाहिये। स्वच्छता गीत की एक प्रतिलिपि जानकारी, मार्गदर्शन एवं पालनार्थ संलग्न है।

उक्त विषय में समस्त वेद विद्यालय एवं वेद पाठशालाओं को सूचित किया जाता है कि मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली के निर्देशानुसार २०१७-१८ में स्वच्छ भारत पाखवाडा मनाया जाए।

कृपया इसका संज्ञान लेवें कि दिनांक ०१ से १५ सितम्बर, २०१७ के मध्य में समारोह आयोजित कर किये गये कार्यकलापों (Activities) को प्रतिष्ठान को प्रेषित करें। इसके अतिरिक्त स्वच्छ भारत पाखवाडा के आयोजन से संबंधित पालन रिपोर्ट भी प्रेषित करें, ताकि संस्थाओं द्वारा किये गये कार्यकलापों से मानव संसाधन विकास मंत्रालय को अवगत करवाया जा सके।

संलग्न:- उपरोक्तानुसार

भवदीय,  
  
(डॉ. देवानन्द शुक्ल)  
कार्यक्रम अधिकारी

# श्वच्छता जात्र

मन की साफाई जरूरी है, तन की साफाई जरूरी है,  
मन की साफाई जरूरी है, तन की साफाई जरूरी है,  
धर की साफाई से पहले, गलियों की साफाई जरूरी है।

साफ साफाई वाले ही जीवन में खुशियाँ पाते,  
सारी दुनिया को अपने जीवन का राज बताते,  
धरती की साफाई से पहले, अम्बर की साफाई जरूरी है।  
धर की साफाई से पहले, गलियों की साफाई जरूरी है।

तन्दरुस्ती की पहली सीढ़ी साफ साफाई रखना,  
साफ साफाई वाले ने ही है भीठा फल चखना,  
स्कूल की साफाई से पहले, पुरतक की साफाई जरूरी है।